

न्यायालय सहायक कलेक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी देसूरी (पाली)

पीछरीन अधिकारी :- श्रीमति राज लक्ष्मी गेटलोत (R.A.S)

वाद संख्या 112/2016

निर्णय प्रावधिक - डिजी दिनांक 27.5.2017

राजस्व विविध प्राचीन-पत्र संख्या 22/2021

तारीख दायरा 22/6/2021

प्राचीनगण :-

1. देकाराम पुत्र गमनाराम जी जाति सिरवी
2. भेराराम पुत्र देमाजी जी जाति सिरवी
3. मोहनलाल पुत्र भगानी जाति सिरवी

निवासीगण देसूरी तहसील देसूरी जिला-पाली (राज.)

व्यनाम

अप्राचीन :-

1. नैनाराम पुत्र सुपाराम जी जाति सिरवी निवासी देसूरी तहसील देसूरी जिला-पाली (राज.)

अपरिष्कृत

1. 84 दिने अमुमार माली अधिकारता प्राचीन की ओर से
2. अप्राचीन राक पक्षीय प्राचीन-पत्र अन्तर्गत आदेश 9 नियम 13 संपादित धारा 151 ए.प.ए.

-: निर्णय :-

दिनांक 22/9/2021

प्राचीनगण की ओर से प्राचीन-पत्र अन्तर्गत आदेश 9 नियम 13 संपादित धारा 151 ए.प.ए. विरुद्ध अप्राचीन उस्तुत कर निवेदन किया कि अप्राचीन ने न्यायालय में दिनांक 11/6/2016 को राजस्व वाद संख्या 112/2016 अन्तर्गत नैनाराम व्यनाम देकाराम पेश किया गया था। जिसमें प्राचीनगण उतिवादी संख्या 1, 4, 9, होने के बाद की अगामी तारीख पेशी दिनांक 22/09/2016 को तलवाना पेश करने तलवी में नियत थी। उतिवादी संख्या 11 पोमाराम के पौत होने से प्राचीन पत्र आदेश 22 नियम 4 ए.प.ए. का पेश होने से पत्रावली कायम मुकाम तलवी व जबाब में नियत कर पेशी 02-11-2016 को नियत थी। इसके पश्चात पत्रावली दिनांक 23/5/2017 को लोक प्रवालत केम्य देसूरी में खुनवारी में लेकर



(Signature)
 सहायक कलेक्टर
 (एस.डी.ओ.) देसूरी (पाली)

उर्ध्वगण की अनुपरिस्थिति में वाद को विधि में प्राधान्य के विपरीत निर्णित करते हुए वाद में प्राथमिक डिमी जारी कर दी गई जिससे उर्ध्वगण एक पक्षीय प्राथमिक डिमी और निर्णय को अपास्त कर पुन वाद को खुनवार हेतु नम्बर पर लेने के लिये भूत उर्ध्वना पत्र पेश किया है।

वाद में उतिवादी सरख्या 11 का रबीवास होने के बावजूद उतिवादी सरख्या 11 के वारिसान को रिपोर्ट पर नही लिया जाकर मृत पक्षकार के विरुद्ध निर्णय व डिमी होने से भी अपास्त भोग्य है।

पञ्जावली पर उतिवादी सरख्या 11, 12, 13, अनुपरिस्थित थे। उर्ध्वगण उतिवादी सं. 6, 9, से 14 मय अधिवक्ता भी दिनांक 27/05/2017 को अनुपरिस्थित होने से एक पक्षीय निर्णय और डिमी दिनांक 27/05/2017 को अपास्त कर वाद को पुन नम्बर पर लेने का आदेश दिया जाना न्याय संगत है।

लोक अदालत केम्प देसूरी में सभी पक्षकारों की उपस्थिति और सहमति होने पर ही पञ्जावली पर खुनवार की जा सकती थी। जबकि उतिवादी गवा सभी उपस्थित नही थे। तथा न ही वाद स्वीकार की कोई लिखित सहमति ही थी। जिससे भी डिमी और निर्णय अपास्त भोग्य है। उर्ध्वगण की अनुपरिस्थिति में किये गये निर्णय दिनांक 27/05/2017 को अपास्त नही किया जाता है। तो उर्ध्वगण न्याय से वंचित हो जायेगे।

उर्ध्वगण के बीमार रहने तथा लोक डाउन के दौरान अधिवक्ता से सम्पर्क करने पर तथा दिनांक 16/06/2021 के नकले उत्पन्न करने पर जानकारी में आया कि उर्ध्वगण की अनुपरिस्थिति एवं जानकारी के अभाव में बिना राजीनामा समझे के निर्णय एवं प्राथमिक डिमी दिनांक 27/05/2017 को जारी कर दी गई है। जिससे उर्ध्वगण द्वारा जानकारी से 30 दिनों के भीतर अन्दर म्याद उर्ध्वना पत्र पेश है।

उर्ध्वगण का निवेदन है कि उर्ध्वना-पत्र स्वीकार फरमाकर वाद सरख्या 11/2/2016 में जारी की गई। प्राथमिक डिमी एवं निर्णय दिनांक 27/05/2017 को अपास्त किया जाकर वाद को पुन नम्बर पर लिया जाकर उर्ध्वगण को वाद की खुनवार का अवसर उपान करावे।



सहायक कलेक्टर
(एस. डी. ओ.) देसूरी (माली)

पुस्तुत उर्वना-पत्र पर अधिवक्ता उर्वीगण को सुना गया। पत्रावली मम मूल बाद सख्या 112/2016 का अवलोकन किया गया। बहस पर मनव करने बाद मम प्राथमिक डिमी रव निर्णय के अवलोकन व अधिसूचना से उपरोक्त विवेचन के मध्य नजर बाद सख्या 112/2016 में दिनांक 27/05/2017 को लोक अदालत के मम में पारित प्राथमिक डिमी रव निर्णय उर्वीगण की अनुपस्थिति रव बाद को विधि के उवधानों के विपरित निर्णित किया जाना उनीत होता है।

अतः उर्वीगण का पुस्तुत उर्वना-पत्र अन्तर्गत आदेश 9 नियम 13 संपादित धारा 151 C.P.C रवीकार भोग्य पाया जाने से रवीकार किया जानकर बाद सख्या 112/2016 में पारित प्राथमिक डिमी रव निर्णय दिनांक 27/05/2017 को अपास्त किया जाता है। मूल बाद सख्या 112/2016 पुन दिनांक 01/01/2021 को दर्ज हो चुका है।

निर्णय आज दिनांक 22/01/20 (एस.डी.ओ.) देसूरी (पाली) मेरे द्वारा लिखवाया जाकर सरे इलाका सुनाया गया।

सहायक कलेक्टर



(Signature)
सहायक कलेक्टर
(एस.डी.ओ.) देसूरी (पाली)